इकाई 3 जनसंख्या की विविधता

इकाई की रूपरेखा

3.0 उद्देश्य

3.1 प्रस्तावना

3.2 जनसंख्या की विविधता

3.2.1 भाषा

3.2.2 धर्म

3.3 जनसंख्या नीति का विकास

3.3.1 द्विपक्षीय समर्थन

3.4 जनसंख्या का आकार

3.4.1 जनसंख्या वृद्धि

3.5 जनसंख्या वितरण

3.6 जन्म, मृत्यु एवं विवाह

3.7 आयु का वितरण

3.7.1 जीवन प्रत्याशा

3.8 सारांश

3.9 शब्दावली

3.10 कुछ उपयोगी पुस्तकें

3.11 बोध प्रश्नों के उत्तर

3.0 उद्देश्य

इस इकाई में आप ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या एवं जनसंख्या-सम्बन्धी विशेषताओं का अध्ययन करेंगे। इस इकाई का अध्ययन करने के पश्चात् आप :

- ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या की विविधता की व्याख्या कर सकेंगे;
- ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या नीति के उद्‌भव का वर्णन कर सकेंगे;
- ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या सम्बन्धी विभिन्न विशेषताओं का स्मरण कर सकेंगे;
- ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या वृद्धि एवं आकार के बारें में बता सकेंगे; और
- आयु वितरण एवं जीवन प्रत्याशा की पहचान कर सकेंगे।

3.1 प्रस्तावना

ऑस्ट्रेलिया दूर-दूर तक फैला, एक समूचे महाद्वीप के आकार का विशाल देश है। आकार में यह भारत से दुगुने से भी बड़ा है, पर इसकी जनसंख्या अपेक्षाकृत काफ़ी कम है। इसकी कुल जनसंख्या 18.5 मिलियन (1 करोड़ 85 लाख) है। इसका तात्पर्य है कि प्रति किलोमीटर जनसंख्या घनत्व केवल 2 व्यक्ति है। ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व 1 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है। ऑस्ट्रेलिया की 85 प्रतिशत जनसंख्या देश के 8 बड़े नगरों में रहती है। इस कम घनत्व वाले देश की जनांकीय संरचना में कई विविधताएँ हैं। इस इकाई में भाषा, धार्मिक विविधता सहित अन्य जनसंख्या-सम्बन्धी विशेषताओं का अध्ययन किया गया है। इस इकाई में सरकार की जनसंख्या

विशेष मूल्यों की ओर संकेत करता हो और अपने अस्तित्व का अर्थ समझता हो'' के रूप में परिभाषित किया।

यूरोपीय बस्तियों के बसने के समय, मूल निवासी अपने धर्मों को मानते थे। इनमें प्राकृतिक शक्तियों तथा प्राचीन आत्मा के प्रभाव में विश्वास किया जाता था।

19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में, यूरोपीय आप्रवासी अपनी चर्च व्यवस्थाओं को ऑस्ट्रेलिया लाए। इसमें इंग्लैण्ड का चर्च (अब एंगलिकन चर्च), एवं मैथाडिस्ट, कैथोलिक, प्रेस्बीटेरियन, कांग्रेगेस्नेलिस्ट एवं बेपटिस्ट चर्च भी शामिल थे। सन् 1838 में जर्मनी के लूथर दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया पहुँचे। सन् 1840 के बाद से मारमन्स, स्वीडनबोरजीयन्स, स्प्रीचुलिस्ट, क्रिस्टेडेल्फियंस सेवंथडे, एडवेंटिस्ट, ईसाई वैज्ञानिक एवं जीवाह के गवाह आदि समूह ऑस्ट्रेलिया पहुँचे। परन्तु छोटे किन्तु महत्त्वपूर्ण लुथरन तत्वों को छोड़कर, 1901 में ऑस्ट्रेलियाई समाज में अधिकतर वर्ग ऐग्लो-सेल्टिक थे। उस समय 40 प्रतिशत लोगों का विश्वास चर्च ऑफ इंग्लैण्ड पर, 23 प्रतिशत कैथोलिक, 34 प्रतिशत दूसरे ईसाइयों पर था तथा लगभग 1.4 प्रतिशत लोग गैर-ईसाई थे। 1954 की जनगणना के समय तक ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या लगभग दुगुनी हो चुकी थी पर धार्मिक वितरण लगभग वही है। अब 38 प्रतिशत चर्च ऑफ इंग्लैण्ड (एंगलिकन), 23 प्रतिशत कैथोलिक, 28 प्रतिशत दूसरे ईसाई प्रभुत्व वाले समूह एवं करीब 0.6 प्रतिशत गैर-ईसाई धर्म के थे।

उसके बाद के दशकों में, ऑस्ट्रेलिया में फिर होने वाले आप्रवासन ने धार्मिक रूपरेखा की पुनः संरचना की है। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् यूरोप से होने वाले आप्रवासन के कारण कट्टर चर्चों के अनुयायियों की संख्या बढ़ी है। संशोधित इकाइयाँ बनने के बाद, कैथोलिकों की संख्या विशेषकर इटालियन, आप्रवासन से तथा अन्य स्थानों से जातीय बदलाव के कारण बढ़ी है। हाल में, दक्षिण-पूर्व एशिया के और मध्य-पूर्व से होने वाले आप्रवासन ने बौद्धों एवं मुसलमानों की संख्या में अच्छा विस्तार किया है। इसने ईसाई समुदाय की जातीय विविधता में भी अपना योगदान दिया है। 1996 की जनगणना में, ऑस्ट्रेलियाई धार्मिक वितरण इस प्रकार था -

27 प्रतिशत कैथोलिक,

22 प्रतिशत एंगलिकन,

22 प्रतिशत अन्य ईसाई प्रभुत्व वाले समूह एवं 3 प्रतिशत गैर-ईसाई धार्मिक समूह। करीब 25 प्रतिशत नास्तिक लोग भी थे।

धर्म के अनुपात की वृद्धि यह दर्शाती है कि राज्य का इसमें कोई योगदान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की प्रत्येक जनगणना में धार्मिक पहचान से संबंधित स्वैच्छिक सवाल पूछे जाते हैं। 1933 से धर्म का स्वैच्छिक स्वरूप विशेषतौर पर बताया जाता है। 1971 की जनगणना में 'कोई धर्म नहीं' प्रश्न का इसमें समावेश किया गया। 1911 में नास्तिकों की संख्या 0.4 प्रतिशत थी जो 1996 की जनगणना में बढ़कर 17 प्रतिशत हो गई। इसी प्रकार ईसाई धर्मानुयायियों में भी कमी आ रही है। 1911 में यह 96 प्रतिशत थी, 1996 में 71 प्रतिशत हो गई। निम्नलिखित तालिका-1 1911 के बाद की प्रत्येक जनगणना के धार्मिक पहचान के सारांश प्रस्तुत कर रही है।

नीति के विकास की भी आलोचनात्मक समीक्षा प्रस्तुत की गई है। आप इसमें ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या के विकास एवं आकार के बारे में पढ़ेंगे। जनसंख्या के क्षेत्रीय वितरण की समीक्षा भी की जायगी। इकाई के अन्त में जन्मदर एवं जीवन प्रत्याशा पर प्रकाश डाला जाएगा।

3.2 जनसंख्या की विविधता

ऑस्ट्रेलिया को एक ऐसे देश के रूप में जाना जाता है जिसमें सहनशीलता, सांस्कृतिक रूप से विविधता तथा एकीकृत समाज है। ऑस्ट्रेलिया की बहु-सांस्कृतिक नीति तीन सिद्धान्तों पर आधारित है। सांस्कृतिक पहचान का अधिकार, सामाजिक न्याय का मूल्य एवं आर्थिक संपन्नता में रूचि :

- परिभाषित सीमा और मर्यादा में रहते हुए सभी ऑस्ट्रेलियावासी अपनी व्यक्तिगत धरोहरों, जिसमें भाषा एवं धर्म भी शामिल है, की सावधानीपूर्वक अभिव्यक्ति एवं भागीदारी कर सकते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया अवसर और व्यवहार की समानता का आदर करता है। प्रजाति, जाति, संस्कृति, धम, भाषा, लिंग या जन्म स्थान पर आधारित भेदभाव को दूर करने का प्रयास करता है।
- ऑस्ट्रेलिया में सभी पृष्ठभूमि के लोगों को व्यक्तिगत क्षमता, प्रतिभा के विकास एवं आर्थिक लाभों को बनाये रखने में मान्यता प्राप्त है।

यह सिद्धान्त सभी ऑस्ट्रेलियावासियों पर लागू होते हैं चाहे वे आदिम या मूल निवासी हों, ब्रिटिश आप्रवासी हों, गैर-अंग्रेजी भाषी आप्रवासी हों, अथवा ऑस्ट्रेलिया में जन्मे हों या ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता प्राप्त पूर्व विदेशी हों। इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया देश के हित तथा भविष्य, समाज के सिद्धान्त एवं संरचना तथा विचारों तथा मूल्यों को व्यक्त करने के लिए सभी लोगों से प्रतिबद्धता की आशा करता है।

3.2.1 भाषा

अंग्रेजी ऑस्ट्रेलिया की सरकारी भाषा है तथा यही स्कूलों में शिक्षा का माध्यम है। परन्तु अन्य भाषाओं का अध्यापन भी होता है। कुछ स्कूलों के द्विभाषी कार्यक्रम भी हैं। चार में से एक ऑस्ट्रेलियाई ऐसा है जो या तो किसी गैर-अंग्रेजी भाषी देश में जन्मा है या उसके माता-पिता में से एक ऐसे किसी देश में जन्मे हों। लगभग 17 प्रतिशत लोग घरों में अंग्रेजी के अतिरिक्त अन्य भाषाएँ बोलते हैं।

भाषा की विविधता को एक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं आर्थिक धरोहर के रूप में माना जाता है। सरकारी भाषा सहायता कार्यक्रमों के द्वारा एशियाई भाषाओं के विकास पर अधिक बल दिया जाता है। चार वरीयता प्राप्त भाषाएँ हैं - जापानी, इंडोनेशियाई, कोरियन एवं मैंडारिन। कुछ स्कूलों में छात्रों को किसी एक एशियाई या यूरोपीय भाषा का चयन करने की स्वतंत्रता है। 1990 के बाद अधिकांश छात्रों ने अपनी मुख्य स्कूल परीक्षाओं एवं विश्वविद्यालयों में अन्य भाषाओं की तुलना में, जापानी भाषा का अध्ययन किया। अंग्रेजी के अतिरिक्त, इटालियन दूसरी सबसे अधिक पढ़ी जाती है।

3.2.2 धर्म

1983 में ऑस्ट्रेलियाई उच्च न्यायालय ने धर्म को ''विश्वास एवं व्यवहार का ऐसा परिसर जो कुछ

आनेवाले 48 प्रतिशत लोग ईसाई, 23 प्रतिशत नास्तिक, 8 प्रतिशत बौद्ध, 8 प्रतिशत मुसलमान एवं 1 प्रतिशत यहूदी थे।

बोध प्रश्न 1

नोट : क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया की बहु-संस्कृतिवादी नीति की मुख्य विशेषताओं को बतलाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2) ऑस्ट्रेलिया की धार्मिक विविधता पर एक टिप्पणी लिखें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3.3 जनसंख्या नीति का विकास

जब ब्रिटिश उपनिवेशों ने 1901 में ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रमंडल नामक संघ की स्थापना की तब एक नई राष्ट्रीय सामंजस्य नीति की आवश्यकता अनुभव की गई जो सारे ऑस्ट्रेलियाइयों को अंग्रेजी बोलने वाली, ऐग्लों - सेल्टिक संस्कृति में एकीकृत कर सके। इस विचार ने गैर-यूरोपीयन आप्रवासन को रोक दिया जिसको 'श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति' कहा जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग 55 लाख आप्रवासी ऑस्ट्रेलिया आये हैं। इनमें से कई यूरोप के गैर-अंग्रेजी भाषा वाले क्षेत्र से हैं। उन्होंने अपने जातीय समुदाय को आगे बढ़ाया जो उनके मूल भाषा एवं संस्कृति की रक्षा कर सके। ऑस्ट्रेलियावासियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन हुआ। 1960 के दशक में, लिबरल कन्ट्री दल ने श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति का अंत कर दिया।

नई नीति ने एकीकरण (integration) तथा समांगीकरण (assimilation) का आह्वान किया। इसको सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यक्रमों का समर्थन मिला जिसने जातीय संगठनों के महत्त्व को इस बात के लिए मान्यता प्रदान की क्योंकि उन्होंने विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के लिए अवसरों का सृजन किया। 1970 के दशक में लेबर सरकार तथा मिली-जुली सरकार दोनों ने बहु-संस्कृतिवादी नीति को आगे बढ़ाया जिसमें विभिन्न साँस्कृतिक पहचानों के मूल्य पर जोर दिया गया। इन्होंने सामाजिक न्याय की भागीदारी एवं भेदभाव-रहित रोज़गार एवं आप्रवासन के आर्थिक लाभों को भी बढ़ावा दिया। अब किसी भी देश के नागरिक ऑस्ट्रेलिया में आप्रवासन के लिए आवेदन दे सकते

तालिका 1
बड़े धार्मिक मतावलंबी
धार्मिक पहचान

जनगणना वर्ष	ईसाई				अन्य धर्म	नास्तिक	बतलाई नहीं गई/ अपर्याप्त रूप से बतलाई गई	कुल
	एंगलिकन	कैथोलिक	अन्य	कुल				
	%	%	%	%	%	%	%	000
1911	38.4	22.4	35.1	95.9	0.8	0.4	(क) 2.9	4,455.0
1921	43.7	21.7	31.6	96.9	0.7	0.5	(क) 1.9	5,435.7
1933	38.7	19.6	28.1	86.4	0.4	0.2	12.9	6,629.8
1947	39.0	20.9	28.1	88.0	0.5	0.3	11.1	7,579.4
1954	37.9	22.9	28.5	89.4	0.6	0.3	9.7	8,986.5
1961	34.9	24.9	28.4	88.3	0.7	0.4	10.7	10,508.2
1966	33.5	26.2	28.5	88.2	0.7	0.8	10.3	11,599.5
1971	31.0	27.0	28.2	86.2	0.8	6.7	6.2	12,755.6
1976	27.7	25.7	25.2	78.6	1.0	8.3	11.4	13,548.4
1981	26.1	26.0	24.3	76.4	1.4	10.8	11.4	14,576.3
1986	23.9	26.0	23.0	73.0	2.0	12.7	12.4	15,602.2
1991	23.8	27.3	22.9	74.0	2.6	12.9	10.5	16,850.3
1996	22.0	27.0	21.9	70.9	3.5	16.6	9.0	17,752.8

स्रोतः अप्रकाशित आँकड़ा : जनसंख्या एवं आवास की जनगणना

क) राज्य की प्रजा सहित

1991 से 1996 की जनगणना के दौरान ऐसे लोगों की संख्या 3.5% बढ़ी, जो नास्तिक थे, एंगलिक घटकर 115,455 (2.9 प्रतिशत) जबकि कैथोलिक बढ़कर 192,299 (4.2 प्रतिशत) हो गए। वैसे दोनों समूहों की संख्या कुल धार्मिक पहचानों की तुलना में घटी। अन्य ईसाई समुदाय जो घटे, प्रेस्बीटेरियन और शुद्धित (7.7 प्रतिशत) क्राइस्ट चर्च (4.2 प्रतिशत) यूनाइटिंग चर्च (3.8 प्रतिशत) एवं लूथेरन चर्च (0.4 प्रतिशत) थे। ईसाई समुदाय में जो समूह सबसे ज्यादा बड़े थे - वे पेनटाकोस्टल (16.0 प्रतिशत) और जर्वाह प्रत्यक्षदर्शी (11.6 प्रतिशत) थे। अन्य धर्मों के अनुयायी जो 1996 में कुल जनसंख्या के 3.5 प्रतिशत थे, 1991 के बाद सबसे अधिक बढ़े हैं। हिन्दुओं की जनसंख्या 54.4 प्रतिशत, बौद्धों की 42.9 प्रतिशत, मुसलमानों की 36.2 प्रतिशत एवं यहूदियों की 7.6 प्रतिशत बढ़ी। आंशिक तौर पर यह वृद्धि आप्रवासन के कारण हुई। 1996 में, 1991 के बाद

3.4 जनसंख्या का आकार

30 जून 1997 को ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या एक करोड़ 85 लाख थी जो कि इसकी स्थापना के समय की जनसंख्या की तुलना में पाँच गुणा अधिक है। ऑस्ट्रेलिया के जनसंख्या विकास का मुख्य तत्व इसकी स्वाभाविक वृद्धि है, यह वृद्धि बीसवीं शताब्दी के शुरूआत से कुल जनसंख्या वृद्धि का दो-तिहाई है। समुद्रपारीय आप्रवासियों ने ऑस्ट्रेलिया में पैदा हुए बच्चों के माध्यम से इसकी स्वाभाविक वृद्धि को बढ़ाया है।

तालिका 2 यह बताती है कि जनसंख्या में वृद्धि राज्यों तक क्षेत्रों में अलग-अलग हुई है। संघ बनने के समय दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की तुलना में दुगुनी थी। वहाँ तस्मानिया से थोड़े ही अधिक लोग रहते थे। यद्यपि 1982 में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया को चौथे अधिक जनसंख्या वाले राज्य के रूप में पीछे छोड़ दिया। 1997 में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में तस्मानिया की तुलना में 3.8 गुणा अधिक लोग निवास करते थे।

तालिका 2

जनसंख्या ऑस्ट्रेलिया के राज्य एवं क्षेत्र 1907-97

	न्यू साउथ वेल्स	विक्टोरिया	क्वीन्सलैण्ड	दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया	पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया	तस्मानिया	उत्तरी क्षेत्र	अंटार्कटिका	ऑस्ट्रेलिया
30 जून को	'000	'000	'000	'000	'000	'000	'000	'000	'000
1907	1,543	1,226	544	367	255	183	4	..	4,122
1917	1,904	1,409	683	440	306	193	5	3	4,941
1927	2,402	1,727	873	565	392	211	4	8	6,182
1937	2,693	1,853	993	589	457	233	6	11	6,836
1947	2,985	2,055	1,106	646	502	257	11	17	7,579
1957	3,625	2,656	1,413	873	688	326	21	38	9,640
1967a	4,295	3,274	1,700	1,110	879	375	62	103	11,799
1977b	5,002	3,837	2,130	1,286	1,204	415	104	214	14,192
1987	5,617	4,210	2,675	1,393	1,496	449	158	265	16,264
1997P	6,274	4,605	3,401	1,480	1,798	474	187	310	18,532

थे। इसमें किसी प्रकार का जातीय मूल, लिंग, रंग या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं था। 1996 की जनगणना में पाया गया कि 40 लाख से अधिक लोग या कुल जनसंख्या के 23 प्रतिशत लोग विदेशों में जन्मे थे।

ऑस्ट्रेलिया पीड़ित लोगों को सहायता देने में काफ़ी आगे रहा है, तथा 1995 के बाद से अन्य देशों की तुलना में 5 लाख से अधिक शरणार्थियों को स्वीकार किया है। ऑस्ट्रेलिया में आप्रवासियों एवं शरणार्थियों को स्वीकार करने की सरकारी नीति है। अवैध लोगों को कारावास का दंड दिया जाता है या वापस भेज दिया जाता है।

3.3.1 द्विपक्षीय समर्थन

रंगीय (मूलवंशीय - Racial) सहनशीलता एवं सांस्कृतिक विविधता के आधारभूत मूल्यों एवं सिद्धान्तों को द्विपक्षीय समर्थन प्राप्त है। 30 अक्टूबर, 1996 को प्रधानमंत्री श्री जॉन हावर्ड ने प्रस्ताव किया था कि ऑस्ट्रेलियाई संसद को निम्नलिखित कार्य करने चाहिए :

1) सभी ऑस्ट्रेलियाइयों को समान अधिकार प्राप्त हो तथा रंग, प्रजाति, धर्म अथवा जन्म स्थान आदि के भेदभाव के बिना समान सुविधा प्राप्त हो, इसकी प्रतिबद्धता व्यक्त की जाए।

2) इस बात की प्रतिबद्धता हो कि रंग, प्रजाति, धर्म अथवा जन्म स्थान के भेदभाव से रहित अप्रवासन नीति हो।

3) यह प्रतिबद्धता हो कि मूल निवासियों (aboriginals) तथा टोरेस जलडमरूमध्य के द्वीपवासियों में समझौते की प्रक्रिया को गति दी जाए ताकि उनकी सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों को दूर किया जा सके।

4) ऑस्ट्रेलिया को एक सांस्कृतिक विविधता, सहनशील एवं खुले समाज के रूप में बनाये रखने की प्रतिबद्धता, जिससे देश की एकता, इसकी लोकतान्त्रिक संस्थाओं एवं इसके मूल्यों की रक्षा की जा सके।

5) वर्तमान समाज के मापदंड के आधार पर किसी भी तरह के रंगीय विभेद तथा असहनशीलता की निन्दा की जाए तथा उसे समाप्त किया जाए।

बोध प्रश्न 2

नोट : क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या नीति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जून 1996 को अंत होने वाले वर्ष में ऑस्ट्रेलिया की वृद्धि दर (1.24 प्रतिशत) अमेरिका की वृद्धि दर (1.0 प्रतिशत), न्यूजीलैण्ड (1.1 प्रतिशत), थाईलैण्ड (1 प्रतिशत), इंडोनीशिया (1.5 प्रतिशत) के जैसी थी। जापान की वृद्धि दर (0.2 प्रतिशत), ब्रिटेन (0.2 प्रतिशत), जर्मनी (0.7 प्रतिशत), यह सभी ऑस्ट्रेलिया की वृद्धि दर से नीचे थे। जबकि सिंगापुर (1.9 प्रतिशत), हांगकांग (1.9 प्रतिशत), मलेशिया (2.1 प्रतिशत) एवं पापुआ न्यू गिन्नी (2.3 प्रतिशत) ऑस्ट्रेलिया की वृद्धि दर से काफ़ी अधिक थी।

बोध प्रश्न 3

नोट : क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या वृद्धि पर एक टिप्पणी लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3.5 जनसंख्या वितरण

ऑस्ट्रेलिया की अधिकांश जनसंख्या दो ऐसे तटीय क्षेत्रों में केन्द्रित है जो एक दूसरे से काफ़ी दूर हैं। क्षेत्र एवं जनसंख्या की दृष्टि से सबसे अधिक भाग दक्षिण-पूर्व एवं पूर्व में केन्द्रित हैं। यह क्षेत्र महाद्वीप के दक्षिणी पश्चिमी भाग से छोटा है। दोनों तटीय क्षेत्रों में, जनसंख्या नगरों में केन्द्रित है, विशेषकर राज्यों एवं क्षेत्रों की राजधानियों में। महाद्वीप के आधे भाग में केवल 0.3 प्रतिशत लोग रहते हैं एवं महाद्वीप के सघन बसे मात्र 1 प्रतिशत क्षेत्र में 84 प्रतिशत जनसंख्या का निवास है।

यद्यपि 30 जून 1997 को 63 लाख जनसंख्या वाला न्यू साउथ वेल्स सबसे बड़ा राज्य था, तथापि 1997 से पाँच वर्ष पूर्व की अवधि में क्वीन्सलैण्ड में सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर रही (12.3 प्रतिशत)। इसके विपरीत दक्षिण ऑस्ट्रेलिया एवं तस्मानिया की जनसंख्या तुलनात्मक तौर पर स्थिर रही। इस अवधि में इन दोनों राज्यों में क्रमशः 1.6 एवं 0.8 वृद्धि दर्ज की गई।

आन्तरिक आप्रवासन ऑस्ट्रेलिया के बदलते जनसंख्या वितरण का मुख्य कारण है। 1996-97 के दौरान, लगभग 375,225 लोग एक राज्य या क्षेत्र से दूसरे राज्य या क्षेत्र में गये, जो उससे पूर्व के वित्तीय वर्ष से 7 प्रतिशत अधिक था। पिछले दो दशकों से क्वीन्सलैण्ड, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया एवं उत्तरी क्षेत्र में अन्तरराज्यीय आप्रवासियों की संख्या में कुछ वृद्धि हुई। स्वाभाविक तौर पर पिछले 20 वर्ष की जनसंख्या में कमी के कारण तस्मानिया की जनसंख्या में 900 लोगों की कमी हुई। देश में केवल आठ ऐसे शहर हैं जहाँ औसत जनसंख्या घनत्व 700 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है। जैसा कि अन्यत्र बताया जा चुका है, ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर विशाल क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व की दर 1 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है, जबकि सम्पूर्ण देश की जनसंख्या का घनत्व औसतन 2 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है।

3.4.1 जनसंख्या वृद्धि

जैसा कि तालिका 3 में बताया गया है, 30 जून 1997 को ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या एक करोड़ 85 लाख थी जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करती थी। 1996-97 में कम वृद्धि दर का कारण विदेशों से आप्रवासन का कम होना था। 30 जून 1997 को अंत हुए वर्ष में, विदेशों से आने वाले कुल आप्रवासी 95,800 थे जो पिछले वर्ष की तुलना में (104,100) 8 प्रतिशत कम थे।

तालिका 3
अनुमानित निवासी जनसंख्या एवं जनसंख्या में बदलाव के तत्व
क) 1992-97

30 जून को समाप्त होनेवाले वर्ष के अन्त में	जन्म दर (ख) '000	मृत्यु (ख) '000	राष्ट्रीय वृद्धि (ख) '000	कुल स्थायी एवं लम्बे समय की शर्त विधि '000	श्रेणी में बदलाव (ग) '000	कुल समुद्र पारिय आप्रवासी '000	इस अवधि में '000	वृद्धि (च) '000 %	वृद्धि (च) '000
1992	259.2	120.8	138.4	89.9	-21.3	68.6	17494.7	210.7	1.22
1993	260.0	121.3	138.6	62.7	-32.6	30.0	17667.1	172.4	0.99
1994	258.3	123.5	134.8	67.4	-20.8	46.5	17854.7	187.6	1.06
1995	258.2	126.2	132.0	93.0	-12.9	80.1	18071.8	217.1	1.22
1996	250.4	126.4	124.0	109.7	-5.5	104.1	18310.7	238.9	1.32
1997P	253.4	127.6	125.8	94.4	1.4	95.8	18532.2	221.5	1.21

स्रोतः ऑस्ट्रेलियाई जनांकीय सांख्यिकी (3101.0)

क) सितम्बर 1993 की तिमाही से जनसंख्या अनुमान में क्रिस्मस द्वीपसमूह और कोको (कीलींग) द्वीप शामिल हैं।

ख) मृत्यु एवं जन्मदर के मामले में वर्ष भर घटित होने के बाद आँकड़े को तैयार किया गया है। इसलिए यह इस अध्याय के जन्म, मृत्यु एवं विवाह के आँकडों से अलग है। जन्म एवं मृत्यु का आँकड़ा प्रारंभिक स्तर पर पंजीकरण के आधार पर तैयार किया गया है।

ग) उन लोगों का जिनकी रुकने की अवधि (श्रेणी) अलग है, के सामंजस्य के लिए इसको लम्बी/ कम अवधि के लिए पुनःवर्गीकरण करना होगा।

घ) कुल स्थायी जोड़ एवं लंबे समय की गतिविधि (लोगों के इधर-उधर जाने की) में श्रेणी परिवर्तन।

च) जून 1996 के बाद कुल संपूर्ण में जो अंतर दिखाया गया है एवं प्राकृतिक वृद्धि एवं समुद्रपारीय अप्रवासन का कुल जोड़ जनसंख्या अनुमानों में पिछली वृद्धि को जोड़ने के बाद बढ़ा है (जो प्रत्येक जनगणना के बाद तैयार किया जाता है) जिससे किसी समायोजन के हिसाब में अंतर नहीं हो। इसकी व्याख्या ए.बी.एस. सूचना पेपर में दी गई है : जनसंख्या अनुमान : अवधारणाएं साधन एवं पद्धति (3228.0)

अ) यह आँकड़ा न्यू साउथ वेल्स में बाद में होने वाले पंजीकरण से प्रभावित था।

पिछले 50 वर्षों में जननशक्ति तथा मृत्युसंख्या के प्रतिमान में महत्त्वपूर्ण अंतर आया है। (देखें तालिका 5) 1978 में ऑस्ट्रेलिया में कुल प्रजननशक्ति प्रति महिला 2 बच्चों की दर से घटी जोकि जनसंख्या की परिस्थापन (replacement) दर, प्रति महिला 2.1 बच्चों से कम थी। इसके बाद भी यह दर नीचे रही। यह पिछले दो दशकों से घट रही है। माताओं की उम्र, तथा अविवाहित माताओं के बच्चों दोनों के अनुपात में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई।

मृत्यु दर में कमी आई है एवं जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुई है। महिलाओं की जीवन प्रत्याशा पुरुषों से अधिक है। इस अंतर के जीव वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय दोनों कारण हैं। महिलाओं की, पुरुषों की अपेक्षा, जीवन प्रत्याशा दो वर्ष अधिक है। शेष अन्तर का कारण महिलाओं एवं पुरुषों के व्यावहारिक एवं जीवन स्तर की पद्धति में अन्तर है। उदाहरण के लिए पुरूषों की मृत्यु दर दुर्घटना, नशाखोरी के रोगों जैसे - हृदय रोग एवं कैन्सर के कारण, महिलाओं की तुलना में अधिक है।

तालिका 5
प्रजननशक्ति तथा मृत्यु दर के आंकड़े

31 दिसम्बर को अंत हुए वर्ष में	कुल प्रजनन दर दर (ख)	प्रजनन दर		जीवन प्रत्याशा जन्म (अ)	
		कुल बालिकाओं की प्रजनन दर (ग)	जन्म प्रतिशत दर (घ)	पुरुष	महिलाएँ
1947	3.08	1.42	-	66.07	70.63
1954	3.19	1.50	4.0	67.14	72.75
1961	3.55	1.67	4.0	67.92	74.18
1966	2.88	1.36	5.1	67.63	74.15
1971	2.87	1.36	7.4	68.10	74.80
1976	2.06	0.98	9.3	69.56	76.56
1981	1.94	0.93	10.1	71.23	78.27
1986	1.87	0.90	13.2	72.74	79.20
1989	1.84	0.88	16.8	73.32	79.60
1990	1.91	0.91	20.2	73.87	80.06
1991	1.85	0.89	21.9	74.40	80.39
1992	1.89	0.91	23.0	74.46	80.40
1993	1.87	0.90	24.0	74.99	80.86
1994	1.85	0.88	24.9	75.04	80.94
1995	1.82	0.88	26.6	(e)74.95	(e)80.84
1996	1.80	0.86	27.4	75.22	81.05

स्रोतः ऑस्ट्रेलियाई जनांकीय सांख्यिकी (3101.0)

बोध प्रश्न 4

नोट : क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया में आन्तरिक आप्रवासन पर एक टिप्पणी लिखिए।

....

....

....

....

....

....

3.6 जन्म, मृत्यु एवं विवाह

ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या वृद्धि एवं इसकी बदलती विशेषताओं के साथ 20वीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में पंजीकृत जन्म एवं मृत्यु दर की संख्या बढ़ी है। इस अवधि के दौरान पंजीकृत विवाह एवं तलाक की दरों में उतार-चढ़ाव हुआ है। तलाक की संख्या बढ़ी है। (देखें तालिका 4) 1978 में सबसे अधिक तलाक पंजीकृत किया गया इसका कारण उस वर्ष पारिवारिक कानून को लागू किया जाना था।

तालिका 4

जन्म, मृत्यु, विवाह एवं तलाक के कुल आँकड़े

वर्ष	जन्म	मृत्यु	पंजीकृत विवाह	तलाक
1976	2,27,810	1,12,662	1,09,973	63,230
1981	2,35,842	1,09,003	1,13,905	41,412
1986	2,43,408	1,14,981	a) 1,14,913	39,417
1991	2,57,247	1,19,146	1,13,869	45,652
1992	2,64,151	1,23,660	1,14,752	45,729
1993	2,60,229	1,21,599	1,13,255	48,363
1994	2,58,051	1,26,692	1,11,174	48,312
1995	2,56,190	1,25,133	1,09,386	4[illegible],712
1996	2,53,834	1,28,719	[illegible]	52,466
1997	2,53,673 प	1,28,944 प	1,06,7[illegible]5	51,288

स्रोत: ऑस्ट्रेलियाई जनांकीय रूख (3102.0) जन्म ऑस्ट्रेलिया (3301.0), मृत्यु ऑस्ट्रेलिया (3302.0), विवाह एवं तलाक ऑस्ट्रेलिया (3310.0)।

तालिका 6

विवाह एवं तलाक के चयनित संक्षिप्त आँकड़े

मध्यक् आयु (Median Age)

विवाह 31 दिसम्बर को अंत हुए वर्ष में	विवाह								विवाह के मध्यम अन्तर
	पहला विवाह		सभी विवाह		विवाह के समय		इसके बाद संपूर्ण		
	दूल्हा	दूलहन	दूल्हा	दूलहन	पति	पत्नी	पति	पत्नी	(वर्ष)
1947	25.3	22.5	26.0	23.0	n.a	n.a	n.a	n.a	n.a
1954	25.0	22.0	25.6	22.6	n.a	n.a	37.8	34.5	11.6
1961	24.3	21.4	24.9	21.8	24.7	21.7	38.7	35.9	12.6
1966	23.8	21.2	24.2	21.5	24.4	21.4	40.4	36.9	13.9
1971	23.4	21.1	23.8	21.4	23.7	21.0	37.9	34.4	12.5
1976	23.6	21.2	24.9	22.2	23.4	21.0	36.2	33.1	11.0
1981	24.4	22.1	25.9	23.3	23.5	20.9	35.5	32.8	10.2
1986	25.6	23.5	27.3	24.9	24.2	21.6	37.5	34.7	10.6
1989	26.3	24.2	28.0	25.7	24.6	22.0	38.0	35.1	10.2
1990	26.5	24.3	28.2	25.9	24.7	22.1	38.2	35.3	10.1
1991	26.7	24.5	28.4	26.0					

बोध प्रश्न 5

नोटः क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया में विवाह एवं तलाक पर एक टिप्पणी लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

क) 1947 से 1986 की जनगणना तक आँकड़े ऑस्ट्रेलिया सरकार के सरकारी जीवन तालिका गणना पर आधारित हैं। 1986 से 1994 तक ए. बी. एस. की जीवन तालिका के आँकड़ों पर आधारित।

ख) महिलाओं की बच्चे पैदा करने की क्षमता अगर वह वर्तमान विशेष प्रजनन सीमाओं में आती है।

ग) महिलाओं द्वारा उत्पन्न बालिकाओं की संख्या अगर वह वर्तमान महिला प्रजनन दर पहले से स्थापित उत्पादकता दर में आती हों।

घ) कुल जीवित बच्चों का अनुपात

च) जीवन प्रत्याशा का मूल्य, 1993-95 के जन्म की तुलना में। जीवन तालिका ऑस्ट्रेलिया सरकार एवं ए. बी. एस. के द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई है।

ऑस्ट्रेलिया में अपरिष्कृत विवाह (crude marriage) दर (पंजीकृत विवाहों या प्रति 1000 जनसंख्या पर विवाह) 1860 के दशक से जबसे इसको पहली बार पंजीकृत किया गया था, बढ़ता घटता रहा है। विवाह दर समाज में विद्यमान आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित होती रही है। यह (1890 एवं 1930 के दशक) मंदी के समय घटी एवं 1860 के दशक में प्रचुर मात्रा में सोना उपलब्ध होने के कारण बढ़ी। इसमें प्रथम विश्व युद्ध के तुरन्त बाद 1920 के दशक में एवं 1940 के दशक में भी वृद्धि हुई। युद्धों के समय विवाह दर भी बढ़ी। 1997 की अपरिष्कृत विवाह दर प्रति 1000 जनसंख्या पर 5.8 थी। 1996 में भी इतनी ही थी। यह अब तक की सबसे कम दर थी। 1942 में यह दर सबसे अधिक प्रति 1000 जनसंख्या 12.0 विवाह थी। यह दर 1970 के बाद घटी है। इसके मुख्य कारण विवाह के प्रति दृष्टिकोण में अंतर, एवं बिना विवाह के साथ रहने की प्रथा दोनों ही हैं।

1977 से 1997 के बीच, नवयुवतियों के प्रथम पंजीकृत विवाह की औसत आयु 21.4 वर्ष से बढ़कर 25.9 वर्ष हो गई। जबकि इसी अवधि में पुरुष की प्रथम विवाह की औसत आयु 23.8 वर्ष से बढ़कर 27.8 वर्ष हो गई। इस वृद्धि का मूल कारण अविवाहित दंपतियों के एक साथ रहने की प्रथा में वृद्धि है। इसका कारण है कि युवा शिक्षा प्राप्ति में अधिक समय व्यतीत करते हैं। परंपरागत रूप से वर प्रायः अपनी पत्नी से आयु में काफ़ी बड़ा होता है। यद्यपि विवाह की औसत आयु में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। 1997 में (सभी विवाहों में) लड़का एवं लड़की की औसत आयु में अंतर 2.2 वर्ष था, जबकि 1967 में यह 2.6 वर्ष एवं 1921-25 में 3.1 वर्ष था।

1997 में कुल सम्पन्न विवाहों में 66 प्रतिशत मामलों में वर अपनी वधू से अधिक आयु का था, यद्यपि जोड़ों में समान आयु के होने की जोरदार प्रवृति बढ़ रही है। 45 प्रतिशत दम्पत्ति एक दूसरे से दो वर्ष की आयु के अंतर के थे, जबकि केवल 8 प्रतिशत मामलों में आयु का अंतर 10 वर्ष था।

तालिका 6 में यह दिखाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में प्रायः देर से विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। लड़कियों एवं लड़कों के औसत विवाह की आयु बढ़कर क्रमशः 22.5 एवं 25.3 वर्ष हो गई है। 1947 में यह 25.9 थी जो 1947 में बढ़कर 27.8 प्रतिशत हो गई । 1976 में पारिवारिक कानून लागू किये जाने के कारण इसमें कमी आई। तलाक करने वाले दम्पत्तियों की आयु बढ़ी है। साथ ही दम्पत्तियों की तलाक़ से पूर्व विवाहित बने रहने की औसत आयु भी बढ़ी है।

न्यूजीलैण्ड, ब्रिटेन एवं अमेरिका से अधिक है। ऑस्ट्रेलियाई जीवन प्रत्याशा दर विकासशील देशों से भी अधिक है।

पिछले 20 वर्ष के दौरान ऑस्ट्रेलिया में मानक मृत्यु दर 33 प्रतिशत कम हुई है। अब यह घटकर प्रति 1000 लोगों पर 10 से 6 रह गई है।

उत्तरी क्षेत्र में पिछले दो दशकों में सबसे अधिक मृत्यु दर मापी गई। इसको मूल समाज के लोगों में ऊँची मृत्यु दर से जोड़ा जा सकता है। 1996 में मूल निवासियों की उत्तरी क्षेत्र में संख्या 27 प्रतिशत थी परन्तु उनकी मृत्यु दर का प्रतिशत 32 था। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मृत्यु दर 1996 में राष्ट्रीय दर से भी 5 प्रतिशत कम थी।

बोध प्रश्न 6

नोट : क) अपने उत्तरों के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

ख) इस इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) ऑस्ट्रेलिया में जीवन प्रत्याशा दर पर एक टिप्पणी लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3.8 सारांश

जनसंख्या के आँकड़े न तो व्यक्तियों के व्यक्तिगत रूप में और न सामूहिक रूप में उनके कल्याण का संकेतक हैं। यद्यपि, उपर्युक्त चर्चा में जनसंख्या के अनेक प्रकार से सम्बन्धित विषय, जिसमें आप्रवासन, बहु-संस्कृतिवाद, वृद्धावस्था एवं जनसंख्या की स्थिरता के कारक आदि शामिल हैं, का अध्ययन किया गया। ऑस्ट्रेलिया के जनसंख्या के बदलते आकार एवं वितरण ने इसकी सुविधाओं एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास एवं श्रम बाज़ार पर भी प्रभाव डाला है। जनसंख्या की प्रवृत्तियाँ कई सामाजिक परिवर्तनों पर बल देती हैं तथा सभी सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों के नियोजन एवं निर्माण में सहायता करती हैं। ऑस्ट्रेलिया को एक सफलतम सहनशील समाज के निर्माण के लिए जाना जाता है। छोटी संख्या के आदिम समाज (मूल निवासी) के लोगों को छोड़कर लगभग सभी ऑस्ट्रेलियावासियों का मूल स्थान ब्रिटेन है। पर कई यूरोपीय तथा कुछ दक्षिण, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं जापान के लोग भी ऑस्ट्रेलिया में आप्रवासन के द्वारा बस गये हैं। यह बहुत ही बिखरा बसा हुआ देश है। जबकि लगभग सभी ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेजी बोलते हैं (अंग्रेजी सरकारी भाषा भी है), करीब 17 प्रतिशत लोग अन्य भाषाएँ भी बोलते है। बड़ी संख्या में ऑस्ट्रेलियावासी चर्च ऑफ इंग्लैण्ड के अनुयायी हैं, परन्तु अनेक व्यक्ति कैथोलिक एवं अन्य ईसाई पंथों में विश्वास करने वाले भी हैं। 3 प्रतिशत लोग गैर-ईसाई हैं। 1996 की जनगणना में 25 प्रतिशत लोगों ने अपने आपको नास्तिक घोषित किया।

3.7 आयु का वितरण

बीसवीं शताब्दी के शुरू से ही सभी उम्र के लोगों की संख्या में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है। शताब्दी के प्रथम दशकों से ऑस्ट्रेलिया में परिवार छोटे रहे हैं इसलिए बच्चों की संख्या में गिरावट आयी है। 1921 में 32 प्रतिशत जनसंख्या 15 वर्ष से कम के बच्चों की थी। 1997 में यह गिरकर 21 प्रतिशत रह गई। इसके विपरीत वृद्ध लोगों का जनसंख्या अनुपात बढ़ा है। 1921 में 65 वर्ष या अधिक आयु के लोग केवल 4 प्रतिशत थे जो 1997 में बढ़कर 12 प्रतिशत हो गये।

3.7.1 जीवन प्रत्याशा

1901 से 1910 की अवधि में, नवजात बालकों की जीवन प्रत्याशा दर 55 वर्ष थी, जबकि नवजात बालिकाओं की जीवन प्रत्याशा दर 59 वर्ष थी। 1994-96 में नवजात बालकों की जीवन प्रत्याशा दर 75 वर्ष हो गई जबकि बालिकाओं की जीवन प्रत्याशा दर 81 वर्ष हो गई। इसका अर्थ हुआ बालकों में 20 वर्ष तथा बालिकाओं में 23 वर्ष प्रत्याशा वृद्धि हुई।

जीवन प्रत्याशा दर में वृद्धि का प्रमुख कारण छोटे बच्चों की मृत्यु दर में कमी आना है। विशेषकर ऐसा जन्म के पहले वर्ष में (अबोध बच्चों की मृत्यु दर) हुआ। 1901-10 की अवधि में बच्चों में ऊँची मृत्युदर (10 में से लगभग एक जीवन के पहले वर्ष में मरता था) ने जीवन प्रत्याशा दर को काफी कम रखा। बचे हुए बालकों के जीवन की प्रत्याशा उतनी ही थी जितना आज है। उदाहरण के लिए, 5 वर्ष के बच्चे की जीवन प्रत्याशा दर में 1901 से 1910 के बीच 13 वर्ष अधिक एवं 1995 में तुलनात्मक तौर पर यह 20 वर्ष अधिक हो गई।

जीवन की सुविधाओं की उपलब्धता विशेषकर जो बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भिक भाग में हुई जैसे - बेहतर जल आपूर्ति, नाली प्रणाली, खाद्यान्न की उच्च गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य शिक्षा के कारण बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में जीवन प्रत्याशा में सुधार के प्रमुख कारण थे : बेहतर सामाजिक परिस्थितियाँ, चिकित्सा तकनीक में सुधार, जैसे साधारण लोगों का प्रतिरोधक टीकाकरण एवं प्रतिजैविकी दवाओं की उपलब्धता।

बीसवीं शताब्दी के अंतिम दो दशकों में जीवन प्रत्याशा दर और भी बढ़ी। इसका कारण कम बाल मृत्यु दर, युवा लोगों में मोटर दुर्घटना से मौत की घटना, एवं वृद्ध लोगों का हृदय रोग से मृत्यु कम होना है। हृदय रोग से मृत्यु दर कम होने के कारण व्यवहार में परिवर्तन, धूम्रपान का घटना एवं शारीरिक स्वस्थता में सुधार रहे हैं।

महिलाओं की जीवन प्रत्याशा दर पुरुषों की तुलना में छह वर्ष अधिक है। बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में पुरुषों एवं महिलाओं के बीच जीवन प्रत्याशा दर में 4 वर्ष का अंतर था। यह 1960 के दशक के मध्य में बढ़कर 7 वर्ष हो गया था। इसका मुख्य कारण व्यवहार में सुधार एवं वर्तमान सुविधाओं के कारण बालक-बालिकाओं की मृत्यु दर, खासकर बालिकाओं की मृत्यु दर का काफ़ी कम होना था। यद्यपि, पुरुष एवं महिला के बीच की जीवन प्रत्याशा दर का अंतर हाल के वर्षों में घटा है। इसको श्रम बाज़ार में अधिक महिलाओं के प्रवेश से एवं पुरुषों के साथ रहने से सम्बद्ध किया जा सकता है।

अन्य विकसित देशों की तुलना में ऑस्ट्रेलिया की औसत जीवन प्रत्याशा दर अच्छी है। ऑस्ट्रेलियाई पुरूषों एवं महिलाओं की जीवन प्रत्याशा दर (75 एवं 81 वर्ष है) हांगकांग, जापान एवं स्वीडन के समान या उससे कुछ अधिक है। ऑस्ट्रेलिया की जीवन प्रत्याशा दर कनाडा, ग्रीस, इटली,

बोध प्रश्न 4

1) जनसंख्या में क्षेत्रीय वितरण का सबसे बड़ा कारण आन्तरिक आप्रवासन है। (अधिक विवरण के लिए खंड 3.5 देखें)

बोध प्रश्न 5

1) बाल विवाह पर प्रतिबंध है। तलाक सामान्य है (अधिक विवरण के लिए खंड 3.6 देखें)

बोध प्रश्न 6

1) जीवन प्रत्याशा दर अन्य कई देशों से अधिक अर्थात पुरुषों के लिए 75 तथा महिलाओं के लिए 81 वर्ष है। (अधिक विवरण के लिए खंड 3.7 और उपखंड 3.7.1 देखें)

1997 में ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले लोगों की कुल संख्या 1 करोड़ 85 लाख थी। जनसंख्या का वितरण समान नहीं है। न्यू साउथ वेल्स में सबसे अधिक तो दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम लोग निवास करते हैं। राष्ट्रीय राजधानी भी कम आबादी वाला क्षेत्र है। बीसवीं शताब्दी में, जीवन प्रत्याशा दर में सुधार हुआ है। पहले दशक में (1901-10) यह नये जन्मे बालकों के लिए 55 वर्ष थी। यह नवजात बालिकाओं के लिए 59 वर्ष था। बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में यह बढ़कर क्रमशः 75 एवं 81 वर्ष हो गई।

3.9 शब्दावली

आदिम समाज (मूल निवासी) के लोग : ऑस्ट्रेलिया मूल के व्यक्ति, जो इस भूमि पर प्रारंभिक समय से ही रह रहे हैं।

जनांनिकी : जन्म, मृत्यु, रोगों आदि का अध्ययन, किसी देश के लोगों की हालत का पता लगाना

बहु-सांस्कृतिकवाद : किसी विशेष समाज में कई प्रजाति एवं संस्कृति के लोगों का मिलन।

3.10 कुछ उपयोगी पुस्तकें

हार्न. डी. (1976), *ऑस्ट्रेलिया पीपुलः ए बायोग्राफी ऑफ नेशन,* सिडनी।

मुडाक, के. जे. (1970), *द ऑस्ट्रेलिया अबआरीजीनल्स,* लंदन।

स्पैट, ओ. एच. कें. (1968), *ऑस्ट्रेलिया, नेशन्स ऑफ द माडर्न वर्ल्ड सीरीज,* लंदन।

3.11 बोध प्रश्नों के उत्तर

बोध प्रश्न 1

1) ऑस्ट्रेलिया की बहु-संस्कृतिवादी नीति तीन आधारों पर अवलंबित हैं। सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक न्याय का मूल्य एवं आर्थिक प्रभाव का हित। (अधिक विवरण के लिए खंड 3.2 देखें)

2) 1) अपनी भाषा सीखने पर कोइ पाबंदी नहीं है।

   2) धार्मिक स्वतंत्रता है। (अधिक विवरण के लिए उपखंड 3.2.1 एवं 3.2.2 देखें)

बोध प्रश्न 2

1) अब विभिन्न क्षेत्रों में आप्रवासन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। (अधिक विवरण के लिए खंड 3.3 देखें)

बोध प्रश्न 3

1) वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत है। (अधिक विवरण के लिए खंड 3.4 देखें)